Letter to the teachers

Dear teacher

This is the second year of your pupils in the school. There are many skills and concepts that your pupils will start learning before really beginning to read.

This book provides the pupils with plenty of opportunities for talking together. Talking about the pictures and improvising stories is important. It helps the children to develop their ability of understanding the language and its usage.

We, as teachers will have to ensure that sufficient time is given to children to discuss these pictures. This is how, they will unconsciously pick up the language which is our main purpose.

Dr Nisha Peshin
Director (Academics)

Scanned with CamScanner

CONTENTS

TOPIC	PAGE NO.
Section 1 : Recapitulation of sounds	**1**
Initial sound of letters (a to z)	2-8
Section 2 : Vowel sounds (a,e,i,o,u)	**9**
'a' vowel story	10-11
Activity sheets for vowel 'a'	12-15
'e' vowel story	16-17
Activity sheets for vowel 'a & e'	18-21
'i' vowel story	22-23
Activity sheets for vowel 'a, e & i'	24-27
'o' vowel story	28-29
Activity sheets for vowel 'o'	30-33
'u' vowel story	34-35
Activity sheets for all vowels	36-42
Section 3 : Primary words (and, is, this, that, in, on, under, has)	**43**
Use of 'and'	44-46
Use of 'is'	47
Use of 'this' & 'that'	48-50
Use of 'in'	51-52
Use of 'on'	53-54
Use of 'under'	55-56
Activity sheets on 'in, on, under'	57-59
Use of 'has'	60-61
Revision of primary Words	62-66

Scanned with CamScanner

शिक्षकों से

इस अभ्यास पुस्तिका का अध्यापन मुख्य पाठ्य पुस्तक के साथ-साथ करवाने से छात्रों की संकल्पनाओं के उचित विकास में सहायता मिलती है। बालकों के ध्यान को आकर्षित करने का प्रयास ही हमारी प्राथमिकता रही है। उनकी रुचि व अवस्था को समझते हुए विभिन्न खेलों द्वारा लिखने का अभ्यास कराने का प्रयत्न मात्र ही हमारा उद्देश्य है। शिक्षक-शिक्षिकाओं से विशेष अनुरोध है कि वे अपनी मौलिक परिकल्पनाओं का प्रयोग अवश्य करें।

दिए गए अभ्यासों को हल करवाते समय छात्रों को पहले चित्र पहचानने के लिए कहिए। तत्पश्चात् सही उत्तर के पहले अक्षर पर ध्यान केन्द्रित करवाइए।

डॉ निशा पेशिन
निदेशक (शैक्षिक)

Scanned with CamScanner

व्यंजन गीत

आइए मिलकर गाएँ।

क – केला तोड़ा माली ने

ख – खीरा रखा थाली में

ग – गमले में फूल उगाना

घ – घड़ी सुनाए टिक टिक गाना

ङ – ङ को घ के बाद है आना।

च – चम्मच से हम खाना खाते

छ – छाता लेकर धूप में जाते

ज – जहाज़ पानी में चलता

झ – झंडा ऊँचा लहराता

ञ – ञ को नाक से बोला जाता।

ट – टमाटर में है लाली

ठ – ठेला भर कर लाया माली

ड – डमरू बाजे डम डम डम

ढ – ढोलक बाजे ढम ढम ढम

ण – ण को बुलाओ दम दम दम।

त – ताला है दरवाज़े पर

थ – थरमस लेकर अंदर आना

द – दसमुख वाला रावण आया

ध – धनुषबाण से मार गिराया।

न – नदी किनारे तोता आया।

प – पत्ते झूल रहे डाली पर

फ – फूल खिले हैं कितने सुंदर

ब – बस पर चढ़कर मोहन आया

भ – भालू वाला भालू लाया

म – मोर ने सुंदर नाच दिखाया।

य – योगी बैठा यज्ञ करता

र – रथ का पहिया चलता रहता

ल – लाठी लेकर जल्दी आओ

व – वनमानुष को मार भगाओ

श – शहद उठा शीशी में डाला

ष – षटकोण छः कोनों वाला

स – सूरज ने जग को चमकाया

ह – हाथी सूंड हिलाता आया।

अध्यापन निर्देश—अध्यापक बच्चों को सुरुचिपूर्ण ढंग से व्यंजन लिखना सीखाने के लिए दिए गए व्यंजन गीत का प्रयोग करें।

Scanned with CamScanner

स्वर गीत

आइए मिलकर गाएँ।

अ – अचकन लाओ

आ – आम खाओ

इ – इमली खट्टी सब को भाती

ई – ईख खेत में खड़ी सुहाती

उ – उल्लू जागे रात में

ऊ – ऊन लो हाथ में

ए – एक दो

ऐ – ऐनक लो

ओ – ओखली में कूटो धान

औ – औरत बैठी करती काम

अं – अंगुली में है अँगूठी

अः – अः की जगह है खाली

अध्यापन निर्देश–अध्यापक बच्चों को सुरुचिपूर्ण ढंग से स्वर लिखना सीखाने के लिए दिए गए स्वर गीत का प्रयोग करें।

Scanned with CamScanner

शिक्षकों से

यह हिंदी पुस्तकमाला की दूसरी पुस्तक है। यह पहली पुस्तक का क्रमिक विकास है। इसमें जहाँ एक ओर विद्यार्थियों की मानसिक संरचना, रुचि एवं स्तर पर नवीनतम शिक्षण पद्धति के आधार पर पाठ्य-सामग्री का विकास किया गया है, वहीं दूसरी ओर औपचारिक एवं अनौपचारिक अध्यापन की दृष्टि भी इसमें कार्यरत रही है। प्रस्तुत पाठ्य-सामग्री बोलने, सुनने और लिखने के अवसर प्रदान करती है।

पुस्तक के प्रारम्भ में पूर्ववर्ती कक्षा में सीखे गए व्यंजनों की पुनरावृत्ति है। विद्यार्थियों ने जो पहले सीखा है और जो इस कक्षा में सीखेंगे तथा जानेंगे के बीच एक सीधा सम्बंध स्थापित होगा। व्यंजनों को जानने-समझने के बाद विद्यार्थियों का स्वरों से परिचय होगा। स्वरों से परिचय के लिए 'चित्र शैली' को माध्यम बनाया गया है। स्वरों से परिचय के बाद मात्राओं को समझाने और पहचान कराने के लिए सामग्री संयोजित की गई है।

विद्यार्थियों को वर्णमाला के विभिन्न वर्णों से परिचित कराते समय पृष्ठों पर दिए गए अध्यापन निर्देशों पर अवश्य ध्यान दें। दृश्यों, कहानियों और 'चित्रों के संवाद' के द्वारा विद्यार्थियों को स्वरों की पहचान एवं उच्चारण करने के अवसर इस पुस्तक में उपलब्ध हैं। विद्यार्थियों को इन अवसरों से लाभ उठाने के लिए प्रेरित करें। पाठ्य-सामग्री में दी गई स्वरों से सम्बंधित कहानियाँ विद्यार्थियों को सुनाएँ। सुनाते समय स्वर विशेष के स्पष्ट उच्चारण पर बल दें। यही कार्य विद्यार्थियों से भी करवाएँ। पाठ्य-सामग्री के अतिरिक्त कहानियाँ भी कक्षा में अवश्य सुनाएँ। पुस्तक में दिए गए तीन या चार वर्ण वाले अक्षरों के विषय में विद्यार्थियों को समझाएँ। इसके बाद 'आ' की मात्रा से उनका परिचय होगा। पाठ्य-सामग्री आपसे आपकी कल्पना के उपयोग की अपेक्षा रखती है। अपनी कल्पना, पाठ के अतिरिक्त ज्ञान वद्र्धक सामग्री के उपयोग से कक्षा में जीवंत वातावरण के सृजन में सहायता मिलेगी। इस सारी प्रक्रिया में विद्यार्थियों की निरंतर भागीदारी अनिवार्य है।

पठन-सामग्री की इस शैली में आप नए शब्दों से विद्यार्थियों को अवश्य परिचित कराएँ। इससे उनमें भाषा-भंडार के प्रति रुचि विकसित होगी। उनमें अभिव्यक्ति की स्पष्टता का विकास होगा। भाषा को शुद्ध बोलने और लिखने का संस्कार भी प्रबल होगा।

डॉ. निशा पेशिन
निदेशक (शैक्षिक)

Scanned with CamScanner

अध्यापन निर्देश

पृष्ठ संख्या 9 से 19 तक अ से अं तक के स्वरों पर आधारित चित्र कथाएँ दी गई हैं। अध्यापक/अध्यापिका अ से अं तक सभी स्वरों के साथ दिए गए चित्रों के माध्यम से कहानियाँ सुनाएँ एवं बच्चों को सभी शब्दों के केवल प्रथम अक्षर को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। तत्पश्चात उन्हें सभी शब्दों का प्रयोग करते हुए अपने-अपने ढंग से कहानी बनाने के लिए प्रोत्साहित करें।

अ—अजय और अमर अमरूद के पेड़ के पास खेल रहे थे। उन्होंने देखा कि उनके अध्यापक हाथ में थैला लिए बाज़ार से आ रहे हैं। अचानक अध्यापक जी की नज़र अमरूद के पेड़ पर लटके अजगर पर पड़ी। डर के मारे अध्यापक जी के हाथ से थैला गिर गया जिसमें से अनार, अदरक, अनानास और सभी सब्ज़ियाँ निकल कर बाहर फैल गई। अजय और अमर ने यह देखा और वह दौड़कर उनके पास पहुँच गए। उन्होंने बिखरी हुई चीज़ें उठाकर उन्हें दी। अध्यापक को अजगर से डरा देखकर, उन्होंने उन्हें बताया कि वह अजगर उनका दोस्त है और किसी को कुछ नहीं कहता।

आ—एक दिन आकाश पर बादल छाए हुए थे। आसाराम एक जगह बैठा आड़ू और आलू बेच रहा था। पास में ही खड़ा आशू आइसक्रीम खा रहा था। आसाराम ने देखा कि आशू का दोस्त आनन्द अपनी पीठ पीछे आम छिपाए खड़ा था। आनन्द ने दूर जलती हुई आग की तरफ़ इशारा किया। आशू आग की तरफ़ देखने लगा तभी आनन्द ने आशू की आइसक्रीम खानी शुरू कर दी और सोचने लगा कि अपनी आइसक्रीम देखकर आशू की आँख से आँसू निकल पड़ेंगे।

इ— इला इमली के पेड़ के पास बैठी थी। उसी समय इशान भी उसे अपना इनाम दिखाने दौड़ता हुआ आया। तभी दोनों ने इमारत के पास से इंजन आता देखा। जिसमें से उनके दोस्त हाथ हिला रहे थे।

ई— यह ईद का दिन था। ईरफान ईदगाह के बाहर ईंटों पर बैठा था। वह दुखी था। उसके पास खाने के लिए कुछ भी नहीं था। उसने दो बच्चों को एक दूसरे को ईद मुबारक करते देखा। तभी एक बच्चे के पिताजी ने ईरफान को देखा और उसे खाने के लिए एक ईख दी।

उ— उमा और उज्जवल उड़नखटोले में बैठकर उपवन के ऊपर से उड़ रहे थे। उमेश उड़नखटोला देखकर खुशी से उछलने लगा। उमा से उपहार मिलता देख उदित भी हँसने लगा। अपने दोस्तों को खुश देखकर पेड़ पर बैठा उल्लू भी प्रसन्न हो गया।

ऊ—ऊदो अपनी मम्मी के साथ पहाड़ों पर घूमने गया। उसने ऊँट पर बैठकर ऊँचा पहाड़ और झील में ऊदबिलाव को देखा। मम्मी पास ही खड़ी स्वेटर बुन रही थी। ऊँट मम्मी की ऊन के साथ खेलने लगा। यह देख मम्मी को गुस्सा आ गया।

ए— एकानन्द जी एकतारा बजाते हुए घर नं. एक में हवन करने जा रहे थे। एकतारे की मधुर आवाज़ सुनकर एकांश खुश हो गया। तभी एकानन्द जी की एड़ी में काँटा चुभ गया और वे दर्द से चीख पड़े। उनकी चीख से कुत्ता भी डर गया।

ऐ— ऐश्वर्या और ऐश्ली अपने दादाजी के साथ दवाई लाने दवाखाने गए। डॉक्टर दादा जी को थर्मामीटर लगाकर कुछ देर के लिए बाहर चला गया। ऐश्ली ने डॉक्टर का कोट व ऐनक पहन ली और ऐश्वर्या ने ऐक्स-रे उठा लिया। यह देख कर बीमार दादा जी उन्हें मना करने लगे।

ओ—सुबह के समय ओमवती ओढ़नी ओढ़कर ओखली में मसाला कूट रही थी। उसका बेटा ओजस पौधा देख रहा था। तभी बाहर बारिश के साथ ओले पड़ने लगे। ओजस का भाई ओमी ओलों से बचने के लिए पुस्तक सिर पर रख कर घर की ओर भागा।

औ—औलीराम को खेतों में काम करते हुए औज़ारों से टाँग में चोट लग गई। दर्द से कराहता हुआ वह घर आया। टाँग से खून बहता देख उसकी औरत ने चोट पर औषधि लगा दी।

अं— अंकुर बगीचे में खड़ा अंगूर खा रहा था। पास में बैठी अंकिता अंडों से खेल रही थी। अचानक एक अंडा टूट गया। यह देखकर अंजू आन्टी ने उसे अपनी अँगूठी वाली अंगुली आगे बढ़ाकर डाँट लगाई। तब अंकिता ने कान पकड़ कर उनसे माफ़ी माँगी।

Scanned with CamScanner

DEAR TEACHER

'Kindergarten Mathematics' Book has been especially designed for the young mathematicians of today's fast changing world. The flow of the book is designed in such a manner so that the concepts go from simple to complex. The activities and worksheets have been designed in such a manner that the child learns these concepts gradually without forcing him to do so. With its lively illustrations, the book aims to stimulate the imagination of the child at the very start of his or her journey into maths concepts. The book is very much in line with modern approaches of Mathematics teaching, which emphasise play, activity, experimentation and practical application. It also combines the functions of a work book along with the text book.

While teaching, appropriate teaching aids may be used which will reinforce the child's understanding of the concept presented in the book. It will also provide an additional opportunity for communication between teacher and pupil which can augment the teaching-learning process.

Dr (Mrs.) Nisha Peshin
Director (Academics)

Scanned with CamScanner

CONTENTS

	Page No.
COMPARISON	**1-20**
Big and Small	
Long and Short	
Tall and Short	
More and Less	
Matching the objects	
Look alike	
Odd one out	
Sort the objects	
Sequencing	
NUMBERS (0-10)	**21-28**
Count and write	
Find the correct number	
Numbers in sequence	
Concept of zero	
What comes - after, before and between	
ADDITION AND SUBTRACTION	**33-54**
Addition with numbers (0-10)	
Subtraction with numbers (0-10)	
SHAPES AND THEIR NAMES	**55-62**
Flat shapes	
Solid shapes	
NUMBERS (11-20)	**63-73**
Counting and Writing numbers	
Missing numbers	
What comes - after, before and between	
NUMBERS (0-50)	**74-86**
Concept of tens and ones	
Reading numbers (abacus)	
What comes-after, before and between	
Missing numbers	
Number names (1-10)	
MEASUREMENT	**87-89**
Concept of heavy and light	

Scanned with CamScanner